दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-१९३ वा शुक्रवार १४ फ़रवरी २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

पूर्व विधायक राजन साल्वी समर्थकों सहित शिवसेना में शामिल

कोकण में ठाकरे गुट को बड़ा झटका

मुंबई (जमीर काजी): राजापूर-लांजा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और ठाकरे गुट के नेता राजन साल्वी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ शिवसेना में शामिल होकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व को समर्थन दिया है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उनका स्वागत किया।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा, मराठी व्यक्ति को सम्मानित किया जाना गर्व की बात है, लेकिन कुछ लोग, जो द्वेष से ग्रस्त हैं, महादजी शिंदे, साहित्यकारों और शरद पवार का अपमान कर रहे हैं। उनकी यह जलन कभी खत्म नहीं होगी क्योंकि वे 'कंपाउंडर' से दवा लेते हैं; उन्हें अच्छे डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

राजन साल्वी ने इस अवसर पर कहा, एकनाथ शिंदे मेरे राजनीतिक गुरु हैं। मैं पहले उनके साथ नहीं आ सका, लेकिन अब सही समय आ गया है। शिंदे साहेब का आशीर्वाद लेकर मैं शिवसेना में शामिल हो रहा हूं।

इस अवसर पर रत्नागिरी जिले के पालक मंत्री उदय सामंत ने विश्वास व्यक्त किया कि रत्नागिरी जिला पूरी तरह से भगवा हो जाएगा।

राजन साल्वी के साथ लगभग ७०० कार्यकर्ताओं ने शिवसेना में प्रवेश किया, जिनमें उपजिला प्रमुख, पंचायत समिति सदस्य, नगराध्यक्ष, नगरसेवक, सभापति और युवासेना के पदाधिकारी शामिल हैं। इस घटनाक्रम से कोकण क्षेत्र में ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा है।

महादेव मुंडे हत्याकांड की जांच के लिए विशेष टीम का गठन

बीड के पुलिस अधीक्षक नवनीत कॉवत का निर्णय

परली, १३ फरवरी (प्रतिनिधि): तहसील कार्यालय के सामने सड़क पर हुए महादेव मुंडे हत्याकांड को १५ महीने बीत चुके हैं, लेकिन आरोपी अब भी फरार हैं, जिससे गंभीर सवाल उठ रहे हैं। महादेव मुंडे की पत्नी, ज्ञानेश्वरी मुंडे, ने न्याय की प्रतीक्षा करते हुए आमरण अनशन की चेतावनी दी थी।

बीड के पुलिस अधीक्षक नवनीत कॉवत ने मामले की त्वरित जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया है, जिसमें एक पुलिस निरीक्षक और चार कांस्टेबल शामिल हैं। इस टीम में एलसीबी के पीआई संतोष साबळे भी शामिल हैं। मुंडे परिवार द्वारा पुलिस अधीक्षक से मुलाकात के बाद यह निर्णय लिया गया, जिसमें उन्होंने जांच को एसआईटी या सीआईडी को सौंपने की मांग की थी।

दूसरी ओर, परली में मसाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के ६० दिनों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी एक आरोपी फरार है, जिससे सबूत नष्ट करने की साजिश और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। महादेव मुंडे की हत्या के १५ महीने बाद भी जांच में प्रगति न होने से मुंडे परिवार में आक्रोश बढ़ रहा है।

मुंडे परिवार ने ११ फरवरी को पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की थी और ठोस कार्रवाई न होने पर १० दिनों के भीतर आमरण अनशन की चेतावनी दी थी। विपक्षी नेता, जैसे अंजली दमानिया, ने भी इस मामले की जांच पर सवाल उठाए हैं। इस निर्णय से महादेव मुंडे हत्याकांड की जांच में शीघ्र प्रगति की उम्मीद की जा रही है।

संजय गांधी, श्रावणबाळ, इंदिरा गांधी जैसी सामाजिक आर्थिक सहायता योजनाओं के अनुदान को तुरंत वितरित करने के निर्देश

विधायक संदीप क्षीरसागरने बीड और शिरूर कासार के तहसीलदारों को दिए हैं!

बीड(संवाददाता)

विधानसभा क्षेत्र के बीड शहर, बीड ग्रामीण और शिरूर कासार तालुका के लाभार्थियों को पिछले कई दिनों से संजय गांधी निराधार योजना, श्रावणबाळ सेवा राज्य निवृत्ति वेतन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा निवृत्ति वेतन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था निवृत्ति वेतन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय अपंग निवृत्ति वेतन योजना जैसी सामाजिक आर्थिक सहायता योजनाओं का अनुदान नहीं मिला है। इन योजनाओं के लाभार्थी जरूरतमंद, निराधार और कमजोर वर्ग के लोग हैं, जिनका जीवनयापन इस अनुदान पर निर्भर करता है। अनुदान न मिलने के कारण उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए, संबंधित योजनाओं के लाभार्थियों को उनका अनुदान तुरंत वितरित करने के निर्देश विधायक संदीप क्षीरसागर ने बीड और शिरूर कासार के तहसीलदारों को दिए हैं।

वक्फ बोर्ड की गतिशील प्रशासन की ओर अग्रसरता

एक वर्ष में ७१२ रिकॉर्डतोड़ नोंदणियाँ

छत्रपती संभाजी नगर (औरंगाबाद) (प्रतिनिधि): पिछले वर्ष महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड में साठ कर्मचारियों की भर्ती के बाद, बोर्ड ने अपने कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति की है। पिछले एक वर्ष में, संस्थाओं की नोंदणी में रिकॉर्ड बनाते हुए गतिशील प्रशासन की ओर कदम बढ़ाए हैं। राज्यभर के सभी जिलों में जिला कार्यालयों के सक्रिय होने के बाद, वक्फ प्रशासन ने ७१२ मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया है।

महाराष्ट्र की मस्जिदों, दरगाहों, कब्रिस्तानों और अन्य वक्फ संपत्तियों का संरक्षण और कानूनी देखरेख बोर्ड द्वारा की जाती है। वर्षों से, बोर्ड का कार्य अपूर्ण कर्मचारियों के साथ चल रहा था, लेकिन बोर्ड के पदाधिकारियों और अधिकारियों ने प्रभावी प्रयास करते हुए सरकार से भर्ती की अनुमति प्राप्त की। पदभरती के बाद, मंडल के कार्यालयों को सभी जिलों में सक्रिय किया गया। सभी बुनियादी सुविधाओं के उपलब्ध होने के बाद, लंबित नोंदणी के कार्यों को युद्धस्तर पर करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए गए। लोगों को मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें और कार्यों में गति आए, इस उद्देश्य से राज्यभर में सफलतापूर्वक जिला कार्यालयों को सक्रिय किया गया। इसका परिणाम आज स्पष्ट दिखाई दे रहा है, और वक्फ बोर्ड का लोगों की सेवा का उद्देश्य सफल होता नजर आ रहा है।

मंडल के अध्यक्ष समीर काज़ी और सदस्यों की तत्परता से मासिक बोर्ड बैठकें हो रही हैं, जिसमें नोंदणी के अलावा अन्य कार्यों में भी गति आई है। नोंदणी के मामले लंबित न रहें, इसके लिए अध्यक्ष समीर काज़ी और पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जुनेद सैयद, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी मुशीर शेख के निर्देशानुसार नोंदणी विभाग कार्य कर रहा है। नोंदणी विभाग ने हामना तहरीम शोएब मूसा, सनद साक्रीकर, मुफिज़ शेख, मुबीन पटेल, नसरीन मैडम, सलाम चौस, सैयद सोहेल, जिला वक्फ अधिकारी और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से सफलतापूर्वक कार्य किया है।

नोंदणी के इस प्रयास की सफलता के बाद, अब अन्य लंबित कार्यों का निपटारा किया जाएगा, ऐसा मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने उल्लेख किया।

जलयुक्त शिवार अभियान महत्वकांक्षी पहल-देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, १३ फरवरी २०२५ (विशेष प्रतिनिधि):

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के मृदा एवं जलसंधारण विभाग द्वारा संचालित जलयुक्त शिवार अभियान को एक महत्वाकांक्षी पहल बताते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से जनसहभाग से किए गए कार्य जलक्रांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने मृदा एवं जलसंधारण विभाग के तहत ६०१ समूह ब (अराजपत्रित) अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। यह वितरण ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से किया गया, जिसमें छह उम्मीदवारों को प्रत्यक्ष रूप से नियुक्ति आदेश प्रदान किए गए।

यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान के सभागार में आयोजित इस समारोह में मृदा एवं जलसंधारण मंत्री संजय राठौड़, राज्य मंत्री इंद्रनील नाईक, विभाग के सचिव गणेश पाटिल, आयुक्त प्रकाश खपले, नवनियुक्त अधिकारी और उनके परिवारजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा, मृदा एवं जलसंधारण विभाग किसानों के जीवन में परिवर्तन लाने वाला विभाग है। आप सभी को सामान्य जनता और किसानों के जीवन में बदलाव लाने का लक्ष्य रखना चाहिए। सरकार के माध्यम से आपको जनसेवा का अवसर मिला है; इस अवसर का सदुपयोग करते हुए जनसामान्य के चेहरे पर मुस्कान लाएं। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में ७५,००० नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी, जो अब बढ़कर लगभग १,५०,००० हो गई है।

'जलयुक्त शिवार' अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की कमी को दूर करना और स्थायी खेती के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। इस पहल के माध्यम से राज्य के गांव जलसमृद्ध हो गए हैं, भूजल स्तर में वृद्धि हुई है, और किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो रहा है, जिससे फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है। भूजल स्तर में वृद्धि के कारण अब किसान दोनों मौसमों में फसल ले पा रहे हैं, जो इस अभियान की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि 'जलयुक्त शिवार' योजना राज्य के जलसंधारण के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई है। इस योजना के तहत किए गए कार्यों के कारण महाराष्ट्र देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां भूजल स्तर में वृद्धि हुई है, जिसे केंद्र सरकार और उच्च न्यायालय ने भी अपनी रिपोर्ट में स्वीकार किया है। भविष्य में, यह योजना और भी प्रभावी ढंग से लागू की जाएगी, जिसमें सटीक योजना, विज्ञान-आधारित दृष्टिकोण, और स्थानीय सहभागिता पर जोर दिया जाएगा। मृदा एवं जलसंधारण मंत्री संजय राठौड़ ने कहा, मुख्यमंत्री फडणवीस की दूरदृष्टि से शुरू हुए जलयुक्त शिवार अभियान ने क्रांति ला दी है। शेतकऱ्यांचे जीवनमान उंचावणे हा जलयुक्त शिवार अभियानाचा मुख्य उद्देश असून या अभियानात मिळालेला लोकसहभाग हे या अभियानाचे यश आहे। राज्य मंत्री इंद्रनील नाईक ने कहा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व और मार्गदर्शन में जलयुक्त शिवार अभियान में देश में आदर्शवत असे काम झाले आहे। जलसंधारण विभागामध्ये नवनियुक्त अधिकाऱ्यांनी लोकांच्या जीवनात परिवर्तन घडवण्यासाठी काम करण्यासाठी कटिबद्ध राहावे। समारोह का प्रास्ताविक सचिव गणेश पाटिल ने किया, जबकि आभार आयुक्त प्रकाश खपले ने व्यक्त किए।

बीड में ओपन स्पेस को अतिक्रमण मुक्त करने की उपमुख्यमंत्री से मांग

नगरपालिका के भ्रष्टाचार की जांच के लिए समिति गठित की जाए: सचिन मुळूक

बीड (प्रतिनिधि): बीड नगरपालिके ने नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय, करोड़ों रुपये मूल्य की ओपन स्पेस को भू-माफियाओं के हवाले करने की योजना बनाई है। इन ओपन स्पेस पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया गया है। इसलिए, बीड की सभी ओपन स्पेस को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगरपालिके को आदेश देने और नगरपालिके में हो रहे भ्रष्टाचार की जांच के लिए समिति गठित करने की मांग शिवसेना जिला प्रमुख सचिन मुळूक ने शिवसेना के मुख्य नेता एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से की है।

शहर विकास की योजना बनाते समय, नागरिकों को सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना नगरपालिके का कार्य होता है। लेकिन बीड में ऐसा होता नहीं दिख रहा है। शहर में महत्वपूर्ण स्थानों पर नगरपालिके की करोड़ों रुपये मूल्य की ओपन स्पेस हैं, जिन पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हुआ है। कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर इन ओपन स्पेस पर कब्जा कर लिया है। पालिके की सुविधाजनक भूमिका के कारण, शहर की ओपन स्पेस पर अतिक्रमण का कार्य लगातार जारी है। बीड नगरपालिके के उच्च से लेकर निम्न स्तर तक के सभी अधिकारी और कर्मचारियों की मिलीभगत से शहर की ओपन स्पेस को भू-माफियाओं के हवाले करने की साजिश चल रही है। इस मामले में, बीड शहर की ओपन स्पेस को नगरपालिके के कब्जे में लेकर उन्हें अतिक्रमण मुक्त करने के लिए संबंधित विभाग को आदेश देने और बीड नगरपालिके में हो रहे भ्रष्टाचार की जांच के लिए समिति गठित करने की मांग शिवसेना जिला प्रमुख सचिन मुळूक ने शिवसेना के मुख्य नेता एवं राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से की है।

माजलगांव में जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र के लिए लूट

देर कर अड़चनें खड़ी कर रहे अधिकारी

माजलगांव (मूजफ्फर शेख) - माजलगांव नगर परिषद से मिलने वाले जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र के लिए नागरिकों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। प्रमाणपत्र मिलने में देरी कर बड़ी मात्रा में आर्थिक लूट की जा रही है। मुख्याधिकारी की ओर से कोई नियंत्रण न होने के कारण नागरिकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

इस समय कई स्कूलों में नए शैक्षणिक वर्ष के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसके लिए छोटे बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र अनिवार्य होता है। इसी तरह, जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उनके वारसदारों को संपत्ति, बैंक में जमा राशि निकालने, न्यायालयीन प्रक्रिया और अन्य कार्यों के लिए मृत्यु प्रमाणपत्र की आवश्यकता होती है। ये दोनों प्रमाणपत्र नगर परिषद से ही जारी किए जाते हैं।

नियमों के अनुसार, जन्म या मृत्यु प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने के बाद तीन दिनों के भीतर इसे जारी करना अनिवार्य है। लेकिन नगर परिषद में इस प्रक्रिया को १५ दिन से लेकर एक महीने या उससे अधिक समय तक लटकाया जा रहा है। नागरिकों को प्रमाणपत्र के लिए कई चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, यदि किसी को प्रमाणपत्र जल्दी चाहिए, तो संबंधित विभाग के कर्मचारी अलग-अलग समयसीमा के लिए अलग-अलग शुल्क वसूल रहे हैं। नगर परिषद के मुख्याधिकारी कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते, जिसके कारण कर्मचारी अपनी मनमर्जी से निर्णय ले रहे हैं। इस अनियमितता से नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

महाराष्ट्र में राजनीतिक तनाव को समाप्त करने और संवाद की बहाली की आवश्यकता-जितेंद्र आव्हाड

दबाव की राजनीति, झूठे मुकदमे और राजनीतिक प्रतिशोध शरद पवार के संकल्प को नहीं डिगा सकते

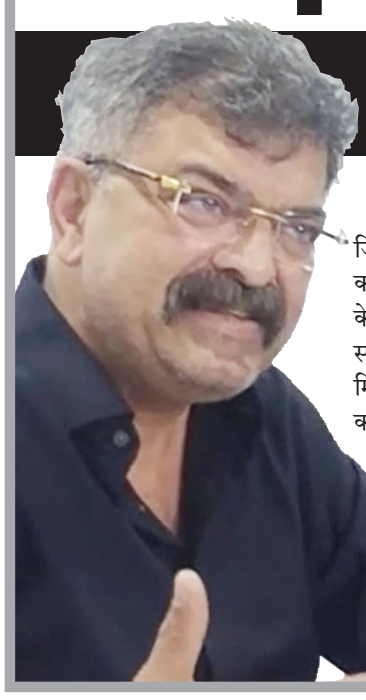

मुंबई:(संवाददाता)

एनसीपी के वरिष्ठ नेता और विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा है कि राजनीति में कड़वाहट को समाप्त करने के लिए संवाद के पुल बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शरद पवार साहब किससे मिलते हैं और किससे नहीं, यह तय करने का अधिकार किसी को नहीं है। वह मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे।

जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि जो लोग कल शरद पवार साहब की आलोचना कर रहे थे, वे भी जानते हैं कि बालासाहेब ठाकरे के साथ भी शरद पवार साहब की दोस्ती थी। शरद पवार साहब की राजनीतिक और सामाजिक प्रतिष्ठा को देखते हुए उन्हें साहित्य सम्मेलन के कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान उद्धव ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की, तब मैंने कहा था कि मुलाकात जरूर होनी चाहिए। इसी तरह जब उद्धव ठाकरे ने अजीत पवार से मुलाकात की, तब भी हमने आपत्ति नहीं की। लेकिन आज की राजनीतिक परिस्थितियों में जिस तरह से लोगों को जेल में डाला जा रहा है, शरद पवार साहब की सोच इस राजनीति का विरोध करती है।

उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि अतीत में आचार्य आत्रे ने यशवंतराव चव्हाण की कड़ी आलोचना की थी, लेकिन जब चव्हाण ने उन्हें सच्चाई बताई तो आचार्य आत्रे ने माफी मांग ली। यही महाराष्ट्र की संस्कृति है, जहां विरोधियों के बीच भी संवाद और सम्मान होता है। आव्हाड ने कहा कि शरद पवार साहब की राजनीतिक कद, उनकी सोच, उनका चरित्र अतुलनीय है। वह कभी भी प्रतिशोध और नफरत की भावनाओं में नहीं आते। कभी-कभी हमें गुस्सा आता है कि वह ऐसा क्यों करते हैं, लेकिन यह उनके बड़प्पन की निशानी है। वह उन लोगों के साथ भी मंच साझा करते हैं जिन्होंने उनके खिलाफ राजनीतिक चालें चलीं, उनकी पार्टी और चुनाव चिन्ह छीना, लेकिन उनके चेहरे पर कभी गुस्सा या प्रतिशोध का भाव नहीं दिखता। यही वह चीज है जो महाराष्ट्र के अन्य राजनेताओं को सीखनी चाहिए।

आव्हाड ने भाजपा सरकार पर कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि आजकल झूठे मुकदमे बनाकर, झूठे आरोप लगाकर लोगों की राजनीतिक जिंदगियों को बर्बाद करने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन ये हथकंडे शरद पवार साहब पर असर नहीं करते। उन्होंने कहा कि शरद पवार साहब कहां जाते हैं, किससे मिलते हैं, इस पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। अगर मुकाबला करना है तो जब समय आएगा, सबसे अधिक आक्रामक अंदाज में शरद पवार साहब ही लड़ेंगे।

जितेंद्र आव्हाड ने आगे कहा कि बालासाहेब ठाकरे और शरद पवार साहब की मिसाल हमारे सामने है। राजनीति का मतलब सिर्फ प्रतिशोध और दुश्मनी नहीं होता, बल्कि इसमें संवाद और मेलजोल भी जरूरी है। एकनाथ शिंदे मुझे समय नहीं देते, अजीत पवार मुझे केबिन में भी बुलाने को तैयार नहीं, लेकिन मैं उनसे मुलाकात के लिए कई पत्र लिख चुका हूं। शिंदे जब भी मिलते हैं तो यही कहते हैं कि 'बाद में देखेंगे', लेकिन उनका वह 'बाद' कभी नहीं आता। उन्होंने कहा कि जब अमित शाह को 'तड़ी पार' कहने की हिम्मत किसी को नहीं थी, तब भी शरद पवार साहब ने सच कहा था। वह जहां वार करना चाहते हैं, वहां करते हैं।

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष पद पर हर्षवर्धन सपकाल की नियुक्ति

विजय वडेट्टीवार बने विधायक दल के नेता; हाईकमान ने की नियुक्तियों की घोषणा

मुंबई (जमीर काजी): महाराष्ट्र कांग्रेस में बड़े बदलाव के तहत बुलढाणा के पूर्व विधायक और सर्वोदयी आंदोलन के कार्यकर्ता हर्षवर्धन सपकाल को प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि विधानसभा में विधायक दल के नेता के रूप में पूर्व विपक्षी नेता विजय वडेट्टीवार की नियुक्ति की गई है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने गुरुवार को इन नियुक्तियों की घोषणा की।

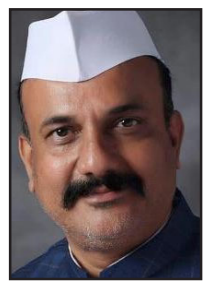

विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद महाराष्ट्र कांग्रेस में बदलाव की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए हर्षवर्धन सपकाल की नियुक्ति अप्रत्याशित मानी जा रही है, जबकि विधायक दल के नेता पद के लिए निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले भी इच्छुक थे।

लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में १३ सीटें जीतने के बाद कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में ९८ सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे, लेकिन पार्टी केवल १६ सीटें ही जीत सकी। कई वरिष्ठ नेताओं को हार का सामना करना पड़ा। इस पराजय की जिम्मेदारी लेते हुए और कार्यकाल समाप्त होने के बाद नाना पटोले ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन हाईकमान ने नए नियुक्ति तक उन्हें कार्यभार संभालने का निर्देश दिया था।

हर्षवर्धन सपकाल २०१४ में बुलढाणा विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे। ५७ वर्षीय सपकाल वर्तमान में राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। युवावस्था से ही वे गाडगे महाराज, तुकडोजी महाराज और गांधीवादी-सर्वोदयी कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने बुलढाणा जिला परिषद के सदस्य और अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है।

विजय वडेट्टीवार को विधायक दल के नेता के रूप में नियुक्त किया गया है। विधानसभा चुनाव के बाद अन्य राजनीतिक दलों ने अपने विधायक दल के नेताओं की नियुक्ति कर ली थी, जबकि कांग्रेस में यह पद खाली था। वडेट्टीवार की नियुक्ति के साथ ही यह रिक्ति भी पूरी हो गई है।

इन नियुक्तियों के माध्यम से कांग्रेस हाईकमान ने महाराष्ट्र में पार्टी को पुनर्गठित करने का प्रयास किया है, ताकि आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके।

प्रा.रमेश लांडगे के शोध पत्र का मलेशिया में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए चयन

शिरूर कासार (प्रतिनिधि): कालिकादेवी कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय, शिरूर कासार में अंग्रेजी विषय के सहायक प्राध्यापक डॉ. रमेश लांडगे के शोध पत्र को मलेशिया के यूनिवर्सिटी पुत्रा मलेशिया में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए चुना गया है। यह सम्मेलन २६ फरवरी से २ मार्च २०२५ के बीच आयोजित किया जाएगा।

प्रा. लांडगे एक अध्ययनशील प्राध्यापक के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई संगोष्ठियों और सम्मेलनों के लिए लेखन किया है, साथ ही कई बार सभाओं को संबोधित भी किया है। उनके नाम पर १० राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और ७ संपादित ग्रंथ हैं। उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आदर्श शिक्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। प्रा. लांडगे अंग्रेजी साहित्य के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता के तहत महापुरुषों के जीवन कार्यों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करके उनके विचारों को जनमानस तक पहुंचाने का कार्य निरंतर कर रहे हैं। इसी कार्य की सराहना करते हुए, मलेशिया के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उनके अण्णाभाऊ साठे का साहित्य: सामाजिक परिवर्तन की रूपरेखा इस शोध पत्र का चयन किया गया है। बोधि इंटरनेशनल जर्नल और यूनिवर्सिटी पुत्रा मलेशिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में प्रा. लांडगे अण्णाभाऊ साठे के सामाजिक समानता और परिवर्तन के विचारों पर अपने मत प्रस्तुत करेंगे। प्रा. लांडगे ने कहा, अब तक अण्णाभाऊ के साहित्य का अध्ययन और समाज परिवर्तन के लिए किए गए कार्यों के परिणामस्वरूप यह शोध पत्र मलेशिया के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रधानमंत्री का दिल देश के लिए नहीं धड़कता, उन्हें सिर्फ अपने इमेज की चिंता है-संजय राऊत

मुंबई। प्रतिनिधि

शिवसेना-यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि पीएम फ्रांस में थे, फिर यूएस में हैं, जब तक वे विदेश में हैं, तब तक देश की किसी समस्या पर चर्चा नहीं होगी. वहां पीएम मोदी खाना खाएंगे. माय डियर डोनाल्ड ट्रंप चलता रहेगा. प्रधानमंत्री का दिल देश के लिए नहीं धड़कता, उन्हें सिर्फ अपने इमेज की चिंता है.

संजय राउत ने आगे कहा कि पीएम मोदी मुस्कुराएंगे और ट्रंप भारत पर टैरिफ लगाएगा, वो हमारा थोड़ी न सुनेगा. वहीं बंग्लादेश के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ट्रंप का हस्तक्षेप करना गलत है. बंग्लादेश हमारे विदेश नीति का फेलिय है. पीएम मोदी का फेल्यर है.

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी अमेरिका यात्रा पूरी करके शुक्रवार को भारत के लिए रवाना हो गए. इस यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा एवं सुरक्षा, ऊर्जा तथा दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न विषयों पर उच्च स्तरीय द्विपक्षीय वार्ता की. मोदी बुधवार को फ्रांस से अमेरिका पहुंचे और बृहस्पतिवार (भारतीय समयानुसार शुक्रवार के दिन) को ट्रंप ने उनकी मेजबानी की. मोदी ने 'एक्स' पर कहा, राष्ट्रपति ट्रंप अक्सर एमएजीए के बारे में बात करते हैं. भारत में हम विकसित भारत की दिशा में काम कर रहे हैं, जिसका अमेरिकी संदर्भ में मतलब एमआईजीए है. भारत-अमेरिका समृद्धि के लिए मेगा साझेदारी कर रहे हैं. मोदी के साथ अपनी वार्ता के बाद ट्रंप ने घोषणा की कि वाशिंगटन अरबों डॉलर की सैन्य आपूर्ति बढ़ाने के तहत भारत को एफ-३५ लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है.

अमेरिका दौरे से पहले मोदी ने फ्रांस में दो दिन की यात्रा के दौरान मंगलवार को पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट' की सह-अध्यक्षता की और बुधवार को उनके साथ द्विपक्षीय चर्चा भी की. उन्होंने १४वें भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को भी संबोधित किया.

'देश में पूछो तो चुप्पी, विदेश में पूछो तो निजी मामला'

अमेरिका में गौतम अडानी वाले मोदी के बयान पर राहुल गांधी भडके

दिल्ली: संवादाता

मोदी ने अमेरिका दौरे पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी. इस दौरान एक पत्रकार ने गौतम अडानी के मामले को लेकर सवाल पूछा था. सवाल का जवाब देते हुए पीएम मोदी ने काह था कि दो देशों के नेता निजी मामलों पर कोई बात नहीं करते हैं.

उनके इस बयान पर अब कांग्रेस नेता ने राहुल गांधी ने निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि अमेरिका में भी मोदी जी ने अडानी जी के भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया.

झच् मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देश में सवाल पूछो तो चुप्पी, विदेश में पूछो तो निजी मामला! अमेरिका में भी मोदी जी ने अडानी जी के भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया! जब मित्र का जेब भरना मोदी जी के लिए 'राष्ट्र निर्माण' है, तब रिश्वतखोरी और देश की संपत्ति को लूटना 'व्यक्तिगत मामला' बन जाता है.क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक में कारोबारी गौतम अडानी के खिलाफ मामले पर चर्चा हुई?' के सवाल पूछे जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हमारी संस्कृति 'वसुधैव कुटुम्बकम' की है, हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं. हर भारतीय को मैं अपना मानता हूं. ऐसे व्यक्तिगत मामलों के लिए दो देशों के मुखिया न मिलते है न बैठते हैं न बात करते हैं. जो बाइडेन के कार्यकाल में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने अडानी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था. आरोप था कि अडानी ने सोलर पावर कॉन्ट्रैक्ट्स में फायदा पाने के लिए भारतीय अधिकारियों को २५० मिलियन डॉलर (करीब २१०० करोड़ रुपये) की रिश्वत दी थी.

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com